चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.6.23	5	5-6

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में पेड़-पौधों की अहम भूमिका : प्रो. काम्बोज

हिसार (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पतिक उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नवग्रह वाटिका में सूर्य सूचक आक के पौधे का पौधारोपण किया, साथ ही कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को प्रण लेकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए भी प्रेरित भी किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने व घटती वर्षा ऋतु की समयावधि को बढ़ाने में पेड़-पौधे अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि आजकल शहरीकरण व औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंसान पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई कर रहा है, जिससे दिन-प्रतिदिन पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। इसके अलावा मिट्टी

हकृवि के वनस्पति उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करने के लिए प्रेरित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

का कटाव, ग्लोबल वार्मिंग व ग्रीन हाउस इफेक्ट जैसी अनेक पर्यावरण संबंधित परेशानी पैदा होने लगी है।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने वनस्पतिक उद्यान के विभिन्न उद्यानों में जाकर पेड़-पौधों, नागफनी उद्यान व अन्य वनस्पति से जुड़ी कई प्रजातियों का अवलोकन भी किया। इसके बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिकी व मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग द्वारा 'वेस्ट टू वेल्थ' विषय पर आयोजित जागरूकता अभियान कार्यक्रम में पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिताओं में विजेताओं के पोस्टरों व स्लागनों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें कुलपति ने स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनिका, द्वितीय शिवी व तृतीय स्थान पर रही कशिष और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान इंदु, द्वितीय प्रियंका व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मानसी व ममता को प्रमाण-पत्र देकर सभी का उत्साहवर्धन भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.6.23	3	3-5

एचएयू में नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पतिक उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नवग्रह वाटिका में सूर्य सूचक आक के पौधे का पौधरोपण किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षाविदें, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को प्रण लेकर पौधरोपण करने के लिए प्रेरित भी किया। इस विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय एवं भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने व घटती वर्षा ऋतु की समयावधि को बढ़ाने में पेड़-पौधे अहम भूमिका निभाते हैं। इन पेड़-पौधों की मदद से हम सूखा व कम वर्षा जैसे अनेक समस्याओं से निपट सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने वनस्पतिक उद्यान के विभिन्न उद्यानों में जाकर पेड़-पौधों, नागफनी उद्यान व अन्य वनस्पति से जुड़ी कई प्रजातियों का अवलोकन भी किया। इस दौरान मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार व वनस्पतिक उद्यान के इंचार्ज डॉ. सुभाष काजला ने गुलाब, गुलदावदी, घर के अंदर व बाहर लगाए जाने वाले पौधे सहित अनेक पौधों की विशेषताओं व उपयोगिता के बारे में कुलपति सहित अन्य सभी को जानकारी भी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	6.6.23	10	4-7

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में पेड़-पौधों की अहम भूमिका

- विश्व पर्यावरण दिवस पर वनस्पतिक उद्यान में नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पतिक उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सोमवार को नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मुख्यातिथि के तौर पर नवग्रह वाटिका में सूर्य सूचक आक के पौधे का पौधरोपण किया, साथ ही कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को प्रण लेकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए भी प्रेरित भी किया।

हिसार। विश्व पर्यावरण दिवस पर वनस्पति उद्यान की नवग्रह वाटिका में पौधरोपण करते एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

इस विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय एवं भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने व घटती वर्षा ऋतु की समयाविधि को बढ़ाने में पेड़-पौधे अहम भूमिका निभाते हैं। इन पेड़-पौधों की मदद से हम सूखा व कम वर्षा जैसे अनेक समस्याओं से निपट सकते हैं। आजकल शहरीकरण व औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंसान पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई कर रहा है, जिससे दिन-प्रतिदिन पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने वनस्पतिक उद्यान के विभिन्न उद्यानों में जाकर पेड़-पौधों, नागफनी उद्यान व अन्य वनस्पति से जुड़ी कई प्रजातियों का अवलोकन भी किया। इस दौरान मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार व वनस्पतिक उद्यान के इंचार्ज डॉ. सुभाष काजला ने गुलाब, गुलदावदी, घर के अंदर व बाहर लगाए जाने वाले पौधे सहित अनेक पौधों की विशेषताओं व उपयोगिता के बारे में कुलपति सहित अन्य सभी को जानकारी भी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिकगण सहित अन्य अधिकारीगण व अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.6.23	1	1

एचएयू में किया नवग्रह वाटिका का शुभारंभ

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पतिक उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने नवग्रह वाटिका में आक के पौधे का रोपण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	6-6-23	4	4-8

Only 4 varsities from state in top 100

NIRF RANKINGS Pvt universities improve position | Major govt institutions fare poorly this year

TRIBUNE NEWS SERVICE

KURUKSHETRA, JUNE 5

Only four higher educational institutions from the state managed to make a place in the top-100 universities category of the National Institutional Ranking Framework (NIRF) of the Ministry of Education released on Monday. Like previous years, no institution managed to enter the top-100 bracket in the overall ranking.

While the private universities have improved their rankings, some major government institutions have fared poorly this year.

The institutions are ranked on the basis of parameters such as teaching, learning and resources, research and professional practices, graduation outcome, outreach and inclusivity and peer perception.

While Maharishi Markandeshwar improved from 91st rank last year to 78th this year, MDU slipped from 94th to 96th this year.

Ashoka University (88th position last year), Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, Kurukshetra University (for the third consecutive year) and Manav Rachna International Institute of Research and Studies were in the 101-150 rank-band bracket.

Among the college category, IC College of Home Science, Hisar, slipped from 42nd to 61st rank. Among the engineering institutes, the NIT, Kurukshetra, slipped from the 50th rank in 2022 to the 58th rank this year.

Amity University, Gurugram, was at 99th rank. The JC Bose University of Science and Technology, YMCA and Manav Rachna International Institute of Research and Studies, Faridabad, and the Northcap University are in the 101-150 bracket.

Among the management institutes, Indian Institute of Management (IIM), Rohtak, improved its ranking from the 16th rank to 12th this time, while the Management Development Institute (MDI), Gurugram, maintained its 13th rank in the country.

The Great Lakes Institute of Management, Gurugram, slipped to 62nd, BML Munjal University, Gurugram, is ranked 72nd, Amity University Gurugram was 81st, while the Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, is at 100th rank.

Among pharmacy institutes, there are only four entries this year against six last year. Maharishi Markandeshwar slipped to 31st rank, MDU-Rohtak to 35th, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, to 49th, while College of Pharmacy, Pt BD Sharma, PGIMS, improved its ranking to 72.

Among medical colleges, Maharishi Markandeshwar ranked 34, while Pt BD Sharma PGIMS ranked 49th. Among dental institutes, the Postgraduate Institute of Dental Sciences, Rohtak, improved to 13th rank. Amity University, Gurugram, is ranked 23rd among law institutes.

NDRI BRINGS LAURELS

- Among agriculture and allied sectors ICAR-NDRI Karnal ranked 2nd in the country and Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University is ranked 10th
- The National Institute of Food Technology, Entrepreneurship and Management, and the Lala Lajpat Rai University of Veterinary and Animal Science are ranked 24 and 34, respectively

KU FACING FACULTY CRUNCH

"Research work and faculty strength play important role in the ranking. The university had been facing faculty crunch. New faculty is being recruited and the university is focusing on the research works. We are hopeful that it will again rank among the top 100 universities soon.

Som Nath Sachdeva, VC, KURUKSHETRA UNIVERSITY

RANKING OF STATE'S LEADING 4

78	Maharishi Markandeshwar University, Ambala
94	Amity University, Gurugram
96	Maharshi Dayanand University, Rohtak
99	Chaudhary Charan Singh HAU, Hisar >>

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.6.23	3	1-4

कृषि सेवाओं में एनडीआरआइ का देश में दूसरा स्थान

सुवीर तंवर • चंडीगढ़

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआइ) करनाल ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी बादशाहत साबित की है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की सोमवार को जारी सूची में कृषि एवं संबद्ध सेवाओं की श्रेणी में एनडीआरआइ को दूसरा स्थान मिला। इसी श्रेणी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को दसवीं रैंकिंग मिली है। प्रबंधन में आइआइएम रोहतक बारहवें और मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट गुरुग्राम तेरहवें स्थान पर रहे। हालांकि, ओवरआल रैंकिंग में हरियाणा का कोई शिक्षण संस्थान शीर्ष-100 में जगह नहीं बना पाया है। इसी तरह अनुसंधान व वास्तु एवं योजना की श्रेणी में प्रदेश का कोई शिक्षण संस्थान शीर्ष 100 में जगह नहीं बना पाया। प्रबंधन की श्रेणी में हरियाणा के सबसे ज्यादा छह संस्थान शीर्ष-100 में शामिल हुए हैं। इसी तरह विश्वविद्यालय, फार्मेसी और कृषि एवं संबद्ध सेवाओं की श्रेणी में चार-चार, इंजीनियरिंग और मेडिकल में दो-दो और महाविद्यालय, डेंटल और विधि की श्रेणी में एक-एक संस्थान इस सूची में जगह बनाने में सफल रहे।

संबंधित सामग्री >> पेज 10

एनआइआरएफ की सूची जारी

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की दसवीं रैंकिंग
- प्रबंधन में आइआइएम रोहतक बारहवें और मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट गुरुग्राम तेरहवें स्थान पर
- ओवरआल रैंकिंग में हरियाणा का कोई शिक्षण संस्थान शीर्ष-100 में नहीं

शिक्षण संस्थानों का प्रदर्शन

संस्थान	स्कोर	राष्ट्रीय रैंकिंग
1. विश्वविद्यालय		
महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, अंबाला	45.09	78
एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम	43.35	94
महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक	43.13	96
चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय	42.99	99
2. महाविद्यालय		
आइसी कालेज आफ होम साइंस, हिसार	54.85	61
3. इंजीनियरिंग		
नेशनल इंस्टीट्यूट और टेक्नालाजी, कुरुक्षेत्र	49.89	58
एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम	41.99	99
4. प्रबंधन		
आइआइएम, रोहतक	65.88	12
मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम	64.88	13
ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, गुरुग्राम	49.95	62
बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम	48.27	72
एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम	46.07	81
गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विवि, हिसार	42.13	100

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.6.23	4	1-6

संकल्प : सांसें हो रहीं कम, आओ पेड़ लगाएं हम...

विश्व पर्यावरण दिवस : विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधरोपण कर देखभाल के लिए किया प्रेरित

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वनस्पतिक उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने सूर्य सूचक आक के पौधे लगाए। इस दौरान विद्यार्थियों को हरी-भरी धरा के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनकी देखभाल का संकल्प दिलाया गया। कुलपति ने कहा कि आज प्रदूषण बढ़ रहा है। सांसों पर संकट बढ़ने लगा है, ऐसे में हमें पौधे लगाने चाहिए।

कार्यक्रम का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय एवं भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कुलपति ने वनस्पतिक उद्यान में पौधों की कई प्रजातियों का अवलोकन किया। डॉ. नीरज कुमार, डॉ. सुभाष काजला ने गुलाब, गुलदावदी, घर के अंदर व बाहर लगाए जाने वाले पौधे सहित अन्य पौधों की विशेषताओं व उपयोगिता के बारे में कुलपति सहित अन्य सभी को जानकारी भी दी। इस दौरान कुलपति ने स्लोगन प्रतियोगिता की विजेता कनिका, द्वितीय सिवी व तृतीय रही कशिश और पोस्टर मेकिंग में प्रथम रही इंदू, द्वितीय रही प्रियंका व तृतीय रही मानसी व ममता को सम्मानित किया।

एचएयू में विश्व पर्यावरण दिवस पर वनस्पति उद्यान की नवग्रह वाटिका में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

प्राणवायु मानसून अभियान के तहत पौध लगाए जाएंगे : पर्यावरण दिवस पर पार्षद अमित ग्रोवर व 11 पौधे लगाए। वह पिछले 2 वर्ष से हर मानसून में यह अभियान चला कर शहर के सेक्टर दिल्ली रोड, 16-17, सेक्टर-13 सेक्टर 9-11 में मुख्य मार्गों पर पौधे लगा रहे हैं। तीसरे प्राणवायु मानसून अभियान की शुभारंभ 9 जुलाई को सेक्टर 9-11 के मुख्य मार्ग से होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.6.23	2	1-7

एचएयू के एग्रीकल्चर कॉलेज को देश में मिला 10वां स्थान

एनआईआरएफ-2023 की विवि रैंकिंग जारी, जीजेयू का फार्मेसी कॉलेज 49वें, मैनेजमेंट कॉलेज 100वें तो लुवास अपनी श्रेणी में 34वें पायदान पर

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023 में हिसार की हरियाणा [illegible] यूनिवर्सिटी को विश्वविद्यालय कैटेगरी में [illegible] रैंक मिली है। एचएयू को एग्रीकल्चर कैटेगरी में 10वां स्थान मिला है। एचएयू के [illegible] कैटेगरी में [illegible] स्थान मिला है।

वहीं हिसार की गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी को विश्वविद्यालय कैटेगरी में 150वां स्थान, विश्वविद्यालय के फार्मेसी कॉलेज को 49वां रैंक मिली है और मैनेजमेंट कॉलेज को 100वां स्थान मिला है। हिसार के लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय को अपनी कैटेगरी में 34वां स्थान मिला है।

आईआईटी कानपुर ओवरऑल वर्ग में [illegible]

उम्मीद है और बढ़ेगी संख्या : जगदीश कुमार

[illegible]

एग्रीकल्चर वर्ग

- आईसीएआर-इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, दिल्ली : पहले
- नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल : दूसरे
- पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना : तीसरे
- बीएचयू : चौथे
- तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर : पांचवें
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली : छठे
- सीआईएफई मुंबई : सातवें
- जीबी पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर : आठवें
- शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी, श्रीनगर : नौवें
- चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार-10वें

यूनिवर्सिटी वर्ग

- आईआईएससी बेंगलुरु : पहले
- जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय : दूसरे
- जामिया मिलिया इस्लामिया : तीसरे
- जादवपुर यूनिवर्सिटी : चौथे
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी : पांचवें
- मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन : छठे
- अमृता विश्वविद्यापीठम : सातवें
- वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी : आठवें
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी : नौवें
- यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद : 10वें

इनोवेशन के क्षेत्र में आईआईटी कानपुर को पहली रैंकिंग

इनोवेशन के क्षेत्र में आईआईटी कानपुर को पहली रैंकिंग मिली है। आईआईटी [illegible]

लॉ कॉलेज वर्ग

- नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बंगलुरु : पहले
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली : दूसरे
- नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद : तीसरे
- द वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज : चौथे
- जामिया मिलिया इस्लामिया : पांचवें
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे : छठे
- गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी : सातवें
- शिक्षा ओ अनुसंधान भुवनेश्वर : आठवें
- आईआईटी खड़गपुर : नौवें
- डॉ राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ : 10वें

देश के शीर्ष 100 कॉलेजों में डीयू के 31 शामिल

दिल्ली के उच्च शिक्षण संस्थान [illegible] एनआईआरएफ 2023 [illegible]

फार्मेसी कॉलेज वर्ग

- एनआईपीईआर हैदराबाद : पहले
- जामिया हमदर्द : दूसरे
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी : तीसरे
- जेएसएस कॉलेज, ऊटी : चौथे
- इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई : पांचवें
- एनआईपीईआर मोहाली : छठे
- जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मैसूर : सातवें
- पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ : आठवें
- मणिपाल कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, उडुपी : नौवें
- अमृत विश्व विद्यापीठ, कोयंबटूर : 10वें

डेंटल कॉलेज वर्ग

- सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज चेन्नई : पहले
- मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस मणिपाल : दूसरे
- डॉ. डीवाई पाटिल विद्यापीठ, पुणे : तीसरे
- मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज दिल्ली : चौथे
- एबी शेट्टी मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस मेंगलुरु : पांचवें
- एसआरएम डेंटल कॉलेज, चेन्नई : छठे
- श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, चेन्नई : सातवें
- मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस मेंगलुरु : आठवें
- शिक्षा ओ अनुसंधान भुवनेश्वर : नौवें
- जामिया इस्लामिया, दिल्ली : 10वें

मेडिकल कॉलेज वर्ग

- एम्स दिल्ली : पहले
- पीजीआई चंडीगढ़ : दूसरे
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज : तीसरे
- एनआईएमएचएएनएस बंगलुरु : चौथे
- जवाहर लाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च : पांचवें
- अमृत विश्व विद्यापीठम, कोयंबटूर : छठे
- संजय गांधी पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ : सातवें
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय : आठवें
- कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज मणिपाल : नौवें
- श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केरल : 10वें

रिसर्च वर्ग

- आईआईएससी बेंगलुरु : पहले
- आईआईटी मद्रास : दूसरे
- आईआईटी दिल्ली : तीसरे
- आईआईटी बॉम्बे : चौथे
- आईआईटी खड़गपुर : पांचवें
- आईआईटी कानपुर : छठे
- आईआईटी रुड़की : सातवें
- एम्स दिल्ली : आठवें
- आईआईटी गुवाहाटी : नौवें
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च : 10वें

आईआईटी वर्ग

आईआईटी मद्रास	पहले
आईआईटी दिल्ली	दूसरे
आईआईटी बॉम्बे	तीसरे
आईआईटी कानपुर	चौथे
आईआईटी रुड़की	पांचवें
आईआईटी खड़गपुर	छठे
आईआईटी गुवाहाटी	सातवें
आईआईटी हैदराबाद	आठवें
एनआईटी तिरुचिरापल्ली	नौवें
जादवपुर यूनिवर्सिटी	10वें

इनोवेशन वर्ग

आईआईटी कानपुर	पहला
आईआईटी मद्रास	दूसरा
आईआईटी हैदराबाद	तीसरे
आईआईटी दिल्ली	चौथे
आईआईटी रुड़की	पांचवें
आईआईएससी बंगलुरु	छठे
आईआईटी बॉम्बे	सातवें
आईआईआईटी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग, कांचीपुरम	आठवें
एनआईटी कालीकट	नौवें
[illegible]	10वें

ओवरऑल वर्ग

आईआईटी मद्रास	पहला
आईआईएससी बंगलुरु	दूसरे
आईआईटी दिल्ली	तीसरे
आईआईटी बॉम्बे	चौथे
आईआईटी कानपुर	पांचवें
ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस दिल्ली	छठे
आईआईटी खड़गपुर	सातवें
आईआईटी रुड़की	आठवें
आईआईटी गुवाहाटी	नौवें
जेएनयू दिल्ली	10वें

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.6.23	1	7-8

नेशनल रैंकिंग • आईआईटी मद्रास लगातार 5वें साल शीर्ष पर

टॉप-10 उच्च शिक्षण संस्थानों में 7 IIT; प्रदेश का कोई संस्थान टॉप-100 में नहीं

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में आईआईटी मद्रास लगातार 5वें साल टॉप पर व बेंगलुरू का आईआईएससी दूसरे नंबर पर रहा। सोमवार को शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क-2023 के अनुसार, आईआईटी दिल्ली चौथे से तीसरे स्थान पर पहुंच गया। टॉप-10 उच्च शिक्षण संस्थानों में 7 आईआईटी हैं। दिल्ली एम्स 9वें से छठे नंबर पर पहुंचा है। बीएचयू 10वें पायदान पर था, पर 2 साल से 11वें पर है। डीयू 23 से 22वीं रैंक पर पहुंचा है।

उच्च शिक्षण संस्थानों की 2016 से जारी हो रही रैंकिंग में इस बार 5,543 संस्थानों ने हिस्सा लिया। ओवरऑल कैटेगिरी में पंजाब के 8 इंस्टीट्यूट टॉप-100 में हैं, जबकि हरियाणा का एक भी संस्थान नहीं है। ओवरऑल रैंकिंग के अलावा 12 विषयों में रैंकिंग जारी की है। इंजीनियरिंग संस्थानों में एनआईटी कुरुक्षेत्र 58वें व एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम 99वें स्थान पर है। यूनिवर्सिटी कैटेगिरी में एमएमयू अम्बाला 78वें, एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम 94वें, एमडीयू रोहतक 96वें, एचएयू हिसार 99वें स्थान पर है। इनोवेशन व कृषि से जुड़े संस्थानों की रैंकिंग पहली बार जारी की है।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने भास्कर से बातचीत में कहा, 'हमने हाल ही में निर्माण, स्वास्थ्य सेवा व सहायक तकनीक, समुद्री क्षेत्र, खेल, कैंसर जीनोमिक्स व ऊर्जा जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों में अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए 15 उत्कृष्टता केंद्र शुरू किए हैं।

टॉप-100 में मप्र, राजस्थान, बिहार और झारखंड के संस्थान भी शामिल

सभी राज्यों से जिन संस्थानों को टॉप-100 में स्थान मिला है, उनमें हर राज्य से उच्चतम रैंकिंग हासिल करने वाला संस्थान तकनीकी शिक्षा से जुड़ा है। मसलन गुजरात का आईआईटी-गांधीनगर (24), राजस्थान का बीआईटी-पिलानी (25), मध्य प्रदेश का आईआईटी-इंदौर (28), झारखंड का आईआईटी-आईएसएम-धनबाद (42) और बिहार का आईआईटी-पटना (66)।

मेडिकल कॉलेजों में दिल्ली एम्स टॉप

• मेडिकल कॉलेजों की रैंकिंग में 5 वर्षों से दिल्ली एम्स पहले स्थान पर है। चंडीगढ़ पीजीआई दूसरे व वेल्लोर का सीएमसी तीसरे पर रहा। अम्बाला का महर्षि मार्कंडेश्वर 34वें, रोहतक पीजीआई 49वें पर।

• डेंटल कॉलेजों में चेन्नई का सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंस दो साल से पहले स्थान पर है। पीजी डेंटल साइंसेज रोहतक 13वें स्थान पर। फार्मेसी में एमएमयू अम्बाला 31वें, एमडीयू रोहतक 35वें, जीजेयू हिसार 49वें, पीजीआई रोहतक 72वें पर।

इनोवेशन में कानपुर आईआईटी नं. 1

• इनोवेशन में आईआईटी-कानपुर शीर्ष पर। पहले 7 स्थान पर आईआईटी हैं। दूसरे से 7वें नंबर पर क्रमशः मद्रास, हैदराबाद, दिल्ली, रुड़की, बेंगलुरू व बॉम्बे।

• कृषि संबंधी संस्थानों में दिल्ली का इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट पहले स्थान पर। नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल दूसरे, एचएयू हिसार 10वें, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट सोनीपत 24वें व लाला लाजपत राय यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंस हिसार 34वें नंबर पर।

• लॉ कॉलेजों में बेंगलुरू की नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी पहले, दिल्ली की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दूसरे, एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम 23वें पर।

मैनेजमेंट में IIM अहमदाबाद टॉप पर

मैनेजमेंट संस्थानों में आईआईएम अहमदाबाद लगातार चौथे साल अव्वल रहा। गुरुग्राम का ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट 62वें, बीएमएल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.6.23	1	1-4

आईआईटी मद्रास लगातार पांचवें वर्ष अव्वल

एनआईआरएफ रैंकिंग : हरियाणा से कृषि में एनडीआरआई दूसरे व एचएयू 10वें स्थान पर

नई दिल्ली। देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास लगातार पांचवें वर्ष अव्वल रहा। ओवरऑल श्रेणी में आईआईएससी बंगलूरू दूसरे, आईआईटी दिल्ली तीसरे और आईआईटी बॉम्बे चौथे स्थान पर है।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन संस्थानों की तस्वीर बताने वाली राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023 सोमवार को जारी कर दी। इस बार 13 श्रेणियों में रैंकिंग जारी की गई है। कृषि शिक्षण संस्थानों में दिल्ली के भारतीय कृषि शोध संस्थान को पहला, करनाल के राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) को दूसरा स्थान मिला है। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को दसवां स्थान मिला मिला है। >> पेज 4/माईसिटी

13 श्रेणियों में रैंकिंग : इनोवेशन के साथ पहली बार कृषि भी शामिल

इस बार रैंकिंग में ओवरऑल, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी, कॉलेज, चिकित्सा, कानून, वास्तुकला, दंत चिकित्सा, अनुसंधान और नवोन्वेष भी शामिल हैं।

- ओवरऑल यानी समग्र श्रेणी विश्वविद्यालयों और स्वायत्त संस्थानों को रैंक देती है। विश्वविद्यालय श्रेणी विवि को रैंक देती है।

8,686 संस्थान रैंकिंग में शामिल

ओवरऑल श्रेणी

1. आईआईटी, मद्रास
2. आईआईएससी बंगलूरू
3. आईआईटी दिल्ली
4. आईआईटी बॉम्बे

दिल्ली दिवि का मिरांडा हाउस फिर बना सबसे बेहतरीन कॉलेज

श्रेणी वार शीर्ष संस्थान

- कॉलेज श्रेणी : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) का मिरांडा हाउस पिछली बार की तरह फिर पहले स्थान पर रहा। हिंदू कॉलेज (डीयू) दूसरे स्थान रहा। ■ शोध : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) बंगलूरू ■ मैनेजमेंट : आईआईएम अहमदाबाद ■ इंजीनियरिंग : आईआईटी मद्रास ■ चिकित्सा : एम्स दिल्ली ■ फार्मेसी : एनआईपीईआर हैदराबाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.06.2023	--	--

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में पेड़-पौधों की अहम भूमिका : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 5 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पतिक उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नवग्रह वाटिका में सूर्य सूचक आक के पौधे का पौधारोपण किया, साथ ही कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षाविदें, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को प्रण लेकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए भी प्रेरित भी किया। इस विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय एवं भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने व घटती वर्षा जल की समयावधि को बढ़ाने में पेड़-पौधे अहम भूमिका निभाते हैं। इन पेड़-पौधों की मदद से हम सूखा व कम वर्षा जैसे अनेक समस्याओं से निपट सकते हैं। उन्होंने बताया कि आजकल शहरीकरण व औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंसान पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई कर रहा है, जिससे दिन-प्रतिदिन पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। इसके अलावा मिट्टी का कटाव, ग्लोबल वार्मिंग व ग्रीन हाउस इफेक्ट जैसी अनेक पर्यावरण संबंधित परेशानी पैदा होने लगी है। पर्यावरण संबंधी इन समस्याओं को कम करने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने वनस्पतिक उद्यान के विभिन्न उद्यानों में जाकर पेड़-पौधों, नागफनी उद्यान व अन्य वनस्पति से जुड़ी कई प्रजातियों का अवलोकन भी किया। इस दौरान मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार व वनस्पतिक उद्यान के इंचार्ज डॉ. सुभाष काजला ने गुलाब, गुलदावदी, घर के अंदर व बाहर लगाए जाने वाले पौधे सहित अनेक पौधों की विशेषताओं व उपयोगिता के बारे में कुलपति सहित अन्य सभी को जानकारी

भी दी। इसके बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिकी व मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग द्वारा 'वेस्ट टू वेल्थ' विषय पर आयोजित जागरूकता अभियान कार्यक्रम में पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिताओं में विजेताओं के पोस्टरों व स्लान्नों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें कुलपति ने स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनिका, द्वितीय शिवी व तृतीय स्थान पर रही कशिश और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान इंदु, द्वितीय प्रियंका व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मानसी व ममता को प्रमाण-पत्र देकर सभी का उत्साहवर्धन भी किया। साथ ही कुलपति ने उपस्थित सभी शिक्षाविदें, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों से वेस्ट मेटिरियल को फेंकने की बजाय घरेलू कार्यों में इस्तेमाल में लाने के लिए भी जागरूक किया ताकि इससे पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकें। इस कार्यक्रम के आयोजन में भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार व उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिकगण सहित अन्य अधिकारीगण व अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।